

डॉ. डेविड हॉवर्ड, जोशुआ-रूथ, सत्र 8

जोशुआ 5

© 2024 डेविड हॉवर्ड और टेड हिल्डेब्रांट

यह रूथ के माध्यम से जोशुआ पर अपनी शिक्षा में डॉ. डेविड हॉवर्ड हैं। यह सत्र 8 है, जोशुआ 5, भूमि का उत्तराधिकार प्राप्त करने की तैयारी।

अब हम यहोशू अध्याय पाँच पर विचार करने जा रहे हैं, और यह निष्कर्ष निकालता है जिसे मैं भूमि विरासत की तैयारी कहूँगा, अध्याय एक से पाँच।

अध्याय छह वास्तविक लड़ाइयों, जेरिको, इत्यादि पर अनुभाग शुरू करता है। तो, प्रश्न यह है कि प्रश्नों में से एक यह है कि अध्याय पाँच में क्या चल रहा है? और यहाँ की घटनाओं का उद्देश्य क्या है? जैसा कि मैंने अभी उल्लेख किया है, मैं तर्क दूँगा कि अध्याय पाँच एक है और पिछले खंड का निष्कर्ष है। चाहे आप इसे स्वीकार करें या न करें, सभी विद्वान ऐसा नहीं करते हैं, लेकिन यदि यह अगले भाग का परिचय है, तो यह भूमि में कनानियों के साथ पहली मुठभेड़ है, या कम से कम सुनकर।

लेकिन वास्तव में, अध्याय दो से श्लोक 15 तक हर चीज़ का कनानियों के इन राजाओं से कोई लेना-देना नहीं है। तो, मुझे लगता है कि अध्याय पाँच, श्लोक दो से 15 तक एक इकाई है, और यहां तीन एपिसोड हैं, तीन चीज़ें हमें यहां बताई गई हैं। और मैं उन सभी को अनुष्ठान की तैयारियों के अंतर्गत रखूँगा।

पहला है, श्लोक दो से नौ तक, लोगों का खतना, यह पेंटाटेच में आदेशित अनुष्ठानों में से एक है। छंद 10 से 12 लंबे समय में पहली बार फसह का उत्सव है। और फिर तीसरा खंड जेरिको के सामने यहोशू का वहां के पवित्र मैदान के संदर्भ में प्रभु की सेना के कमांडर से सामना करना है।

मुझे लगता है कि इन तीनों मामलों में, लड़ाई में शामिल होने से पहले खुद को भगवान के सामने सही करने का विचार है। जैसा कि मैंने पिछले खंड में उल्लेख किया है, यह मुझे यीशु के शब्दों की याद दिलाता है, पहले परमेश्वर के राज्य और उसकी धार्मिकता की तलाश करो, और फिर ये सभी अन्य चीज़ें तुम्हारे साथ जोड़ दी जाएंगी। इसलिए, यदि इज़राइल किताब के अनुसार काम कर रहा है और खुद को पवित्र किया है, खुद को पवित्र बनाया है, जैसा कि हम अध्याय तीन में देखते हैं, तो किताब के बाकी हिस्सों के माध्यम से सब कुछ उनके पक्ष में होगा।

और हम ऐसा होते हुए देखते हैं, और हम एक शानदार मामला देखते हैं जहां ऐसा नहीं हुआ जब वे वह नहीं कर रहे थे जो उन्हें करना चाहिए, अध्याय सात और आठ। तो अब अध्याय पाँच में, हमारे पास श्लोक दो से नौ हैं, और हमारे पास खतना पर चर्चा करने वाला एक खंड है। और यह दिलचस्प है कि हमारे यहां दूसरी बार खतने का संदर्भ है।

और सवाल यह है कि दुनिया में इसका क्या मतलब है? और विद्वानों ने उस पर चर्चा की है, और उस पर बहस की है। मुझे इसमें संदेह है, मुझे नहीं लगता कि इसका शाब्दिक अर्थ यह है कि इन नरों को दूसरी बार व्यक्तिगत रूप से काटा जाएगा। लेकिन यह शायद पहली बार संदर्भित करता है कि जब खतना पहली बार शुरू किया गया था और लोग मिस्र से बाहर आ रहे थे जब वे ऐसा कर रहे थे।

यह इसे समझाने के लिए आगे बढ़ता है। श्लोक दो में उल्लेख है, चकमक चाकू बनाओ, इस्राएल के पुत्रों का दूसरी बार खतना करो। तो, यहोशू ने ऐसा किया।

वह इसे कहते हैं, पद तीन में जिस स्थान पर ऐसा होता है वह गिबेओट नामक स्थान है हारोट। और यदि आपके पास बाइबल है जिसमें फुटनोट हैं, तो यह आपको बताएगा कि यह चमड़ी के पहाड़ के लिए हिब्रू भाषा है। इसलिए, जोशुआ के वहां पहुंचने से पहले शायद इसे ऐसा नहीं कहा जाता था।

लेकिन वहां घटी घटनाओं के फलस्वरूप इसे यह नाम दिया गया। और श्लोक चार हमें बताता है कि ऐसा क्यों हुआ। जब वे मिस्र से बाहर आए, तो जो लोग जंगल में मर गए और जो लोग बाहर आए, उनका खतना किया गया था, फिर भी पद पांच, जो रास्ते में पैदा हुए थे, उनमें से हर किसी का खतना नहीं किया गया था।

तो, यही कारण है कि यह दूसरा खतना किया जाना चाहिए। इसलिए, 40 वर्षों तक, पद पाँच, वे इस अभ्यास में शामिल नहीं हुए। श्लोक सात हमें यही बात बताता है।

मैं यहां रुकना चाहता हूँ और महान नेता मूसा के बारे में एक बात कहना चाहता हूँ। मूसा स्पष्ट रूप से ईश्वर का आदमी और एक महान नेता था, उसके बाद से मूसा जैसा कोई पैगम्बर नहीं हुआ। लेकिन निर्गमन अध्याय चार में मूसा की परमेश्वर के साथ एक दिलचस्प मुठभेड़ हुई।

इसलिए, मैं चाहता हूँ कि आप भी मेरे साथ उस ओर आएं और हम बस कुछ इंगित करेंगे। अपनी उंगली यहाँ जोशुआ पाँच में रखें। लेकिन निर्गमन अध्याय चार में, केवल मंच तैयार करने के लिए, निर्गमन तीन और चार जहां भगवान जलती हुई झाड़ी पर मूसा से मिलते हैं।

परमेश्वर ने मूसा से कहा कि वह अपने पैर हटा देता है, अपने जूते उतार देता है, जिस भूमि पर तुम खड़े हो वह पवित्र भूमि है। और फिर परमेश्वर ने मूसा से कहा कि उसे राष्ट्र का अगला नेता बनना है और उन्हें मिस्र आदि से बाहर लाना है। मूसा पर पाँच आपत्तियों की एक श्रृंखला है और वह अल्प विश्वास वाला व्यक्ति है।

और प्रत्येक मामले में, भगवान एक उत्तर देता है, और कहता है, मैं तुम्हारे साथ रहूंगा, मैं तुम्हें यह और वह दूंगा। और अंत में जब मूसा की चौथी आपत्ति यह थी कि वह धीमी गति से बोलने और बोलने वाला व्यक्ति है। और परमेश्वर कहता है कि मैं तेरे भाई हारून को तेरे प्रवक्ता के रूप में सेवा करने के लिये तुझे सौंपूंगा।

और फिर अंत में, मूसा बस इतना कहता है, कृपया किसी और को भेज दें। मेरे पास बहाने खत्म हो गए हैं लेकिन बस किसी और को भेज दें। और भगवान उस समय क्रोधित थे।

लेकिन अंत में, मूसा सहमत हो गया और मेरा मानना है कि भगवान ने उसे लड़खड़ाते हुए तरीके से सहारा दिया है। लेकिन परमेश्वर ने निर्गमन अध्याय चार, श्लोक 21 से 23 में मूसा से कहा, कि मैं तुम्हारे साथ रहूंगा और सब कुछ ठीक हो जाएगा।

फिर अध्याय चार, श्लोक 24 से 26 में एक अजीब सा प्रकरण है। और बस इसे देखें, और मैं कुछ टिप्पणियाँ करूँगा। तो, यह कहता है, रास्ते में एक विश्राम स्थान पर, भगवान उससे मिले और उसे मार डालने की कोशिश की। उसे मारने की कोशिश की।

मैं हमेशा उस पर हंसता हूँ, यह सोचकर कि भगवान ने उसे मारने की कोशिश की, उसे मारने की कोशिश की, क्या हुआ? क्या वह चूक गया? लेकिन फिर भी, परमेश्वर का इरादा ऐसा करना है। तो फिर श्लोक 25, सिप्पोरा, जो मूसा की पत्नी है, जल्दी से सोचते हुए, एक चकमक पत्थर पकड़ती है और उसकी चमड़ी काट देती है। और ईएसवी का कहना है कि यह उसके बेटे की चमड़ी है, लेकिन यह वस्तुतः उसके बेटे की चमड़ी ही कहती है।

और, ओह, मुझे क्षमा करें, उसने अपने बेटे की चमड़ी उतार दी और उसके पैर छू लिए। कुछ संस्करणों में मूसा के पैर भी जोड़े गए हैं। तो, दूसरे शब्दों में, सिप्पोरा, इसके जवाब में, भगवान की ओर से चाहे जो भी हमला हो, वह एक चकमक चाकू लेती है और उनके बेटे का खतना करती है।

और इस प्रक्रिया में कहता है, तुम मेरे लिए खून के दूल्हे हो। तो, वह, भगवान, उसे, मूसा, अकेले रहने दो। तब उस ने कहा, खतने के कारण खून का दूल्हा।

अब यह समारोह या इस तरह की चीज़ वास्तव में बाइबिल में कहीं और ज्ञात नहीं है। हम वास्तव में इसके बारे में ज्यादा नहीं जानते हैं। तो, हम दिन भर अनुमान लगाते रहे कि खून के दूल्हे का क्या मतलब है।

लेकिन पीछे हटने पर, हम जो देख सकते हैं वह यह है कि तीन चीज़ें होती हैं। परमेश्वर मूसा को मारने की कोशिश करता है, उसकी पत्नी अपने बेटे का खतना करती है, और परमेश्वर नरम पड़ जाता है। तो यह हमें दिखाता है कि मूसा, जो अब महान है, एक महान नेता होने के नाते, उसने अपने जीवन में भी खतना की इस रस्म का अभ्यास नहीं किया था।

और निःसंदेह, इस बिंदु पर, कानून नहीं दिया गया था। आज्ञाकारिता और खतना ही एकमात्र प्रावधान था जिसे परमेश्वर ने इब्राहीम के पास वापस भेजा था। और मूसा अपने ही पुत्र के साथ यह एक काम करने में भी वफ़ादार न था।

तो, मुझे लगता है कि यहां मुद्दा यह है कि भगवान मूसा और इज़राइल और पाठकों से कह रहे हैं, कि नेता भी भगवान के वचन को मानने और भगवान के वचन का पालन करने की आवश्यकताओं से मुक्त नहीं है। लेकिन यह एक बड़ी विडंबना है क्योंकि, सबसे पहले, मैं

जोशुआ में चकमक चाकू और यहां चकमक पत्थर की ओर इशारा करूंगा। वे केवल दो स्थान हैं जहां चकमक पत्थर का उल्लेख किया गया है।

तो, मुझे लगता है, वहां एक दिलचस्प संबंध है। और मुझे लगता है कि यह हमें यहां इस प्रकरण की याद दिलाने में मदद करता है। लेकिन फिर यह हमें जोशुआ 2, या जोशुआ 5 पर वापस ले जाता है। और तब हमें जो एहसास होता है वह यह है कि मूसा, जो मुश्किल से बच गया था, ऐसा लगता है, यह निकट-मृत्यु का अनुभव है।

और आप सोचेंगे कि यह उनके अपने जीवन का एक रचनात्मक अनुभव होगा, जंगल में उन वर्षों के दौरान यह सुनिश्चित करने के लिए अगले 40 वर्षों से अधिक ध्यान नहीं दिया गया कि इज़राइल का खतना किया गया था। उन्होंने इसकी उपेक्षा की। तो अब जब वे कनान में हैं, तो यह उन पर निर्भर है कि उन्हें उस समूह का दूसरा खतना करना होगा जिसका पिछले 40 वर्षों से खतना नहीं हुआ था।

तो, श्लोक 8 में अब यहोशू 5 में, इसलिए वे खतना पूरा करते हैं, वे तब तक वहीं रहते हैं जब तक वे ठीक नहीं हो जाते। और यहोवा ने यहोशू से कहा, आज मैंने मिस्र की नामधराई तुझ से दूर कर दी है। और इस कारण इस स्थान का नाम आज तक गिलगाल कहलाता है।

जाहिरा तौर पर, नाम के दो नाम प्रतीत होते थे, गिबाह हरलोट, हिल ऑफ फोरस्किन्स। गिलगाल का सम्बन्ध लुढकना शब्द से है। हिब्रू में रोल अवे शब्द गलाल है और गिलगाल उसी से संबंधित है।

तो, उस तरह का एक संबंध भी है। यहां एक प्रश्न उठता है कि आखिर मिस्र की निंदा क्या है? और कुछ टिप्पणीकार सोचते हैं कि यह इस्राएल के पाप का दोष है जो अब दूर हो रहा है, और मिस्र से कलंक अब दूर हो रहा है। लेकिन मुझे लगता है कि यह कुछ और है, यह कुछ और है, अर्थात् वह निंदा जो मिस्र ने इज़राइल के खिलाफ निर्देशित की थी।

दूसरे शब्दों में, इज़राइल अब मिस्र के बंधन से पूरी तरह मुक्त है। मनोवैज्ञानिक तौर पर भी वे अब नहीं हैं। सफन्याह अध्याय 2, श्लोक 8 में एक संदर्भ है, जो मोआब की निंदा, मोआब द्वारा अन्य राष्ट्रों की निंदा के बारे में बात करता है।

और इसलिए, मुझे लगता है कि यहां यही विचार है, कि मिस्र, इज़राइल के मानस पर जो भी पकड़ थी, यहां तक कि उन 40 वर्षों के बाद भी, अब है, अब है, अब इसे मिटाया जा रहा है। तो यह इस अध्याय में भूमि में प्रवेश के लिए पहली अनुष्ठान तैयारी है। दूसरा श्लोक 10 से 12 में है।

और अब हमारे पास कनान देश में पहला फसह है। और ऐसा कहा जाता है कि जब वे कैप गिलगाल में थे, तो उन्होंने महीने के 14वें दिन शाम को यरीहो के मैदान में फसह मनाया। और निर्गमन अध्याय 12 में, जब फसह के निर्देश दिए गए हैं, यही वह दिन है जब उन्हें इसे करना है।

तो, वे शुरुआत कर रहे हैं, वे फिर से किताब के अनुसार काम कर रहे हैं। और पद 11 पर ध्यान दें, कि फसल के दिन के बाद, अगले ही दिन, उन्होंने पहली बार भूमि की उपज में से खाया। तो, संख्याओं में याद रखें, उन्हें देश में जासूस भेजा गया था।

वे दूध और शहद से बहने वाली भूमि के बारे में बात करते हैं, उन वादों के बारे में जो भगवान ने उन सबके बारे में दिये थे। लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया था, वे कुछ समय, कुछ दिन, कम से कम एक सप्ताह या उससे अधिक समय तक भूमि में रहे थे, लेकिन उन्होंने स्पष्ट रूप से अभी तक भूमि नहीं खाई थी। और अब पहली बार, वे भूमि की उपज, अखमीरी रोटियां और भुना हुआ अनाज खाते हैं।

और फिर महत्वपूर्ण रूप से, श्लोक 12 में, मन्ना, जो कि वह चीज़ थी जो उन्हें जंगल में 40 वर्षों तक खिलाया गया था, वह सफ़ेद चीज़ जिससे वे बीमार हो गए थे, वह पहली बार बंद हो गया। तो, इस्राएलियों से एक महत्वपूर्ण प्रतीकात्मक परिवर्तन हुआ है जो ईश्वर पर निर्भर थे, रेगिस्तान के इस्राएली, अब कनान देश के इस्राएली हैं। और इस्राएलियों के लिये फिर मन्ना न रहा, परन्तु उस वर्ष उन्होंने कनान देश की उपज में से खाया।

यहां, मैं हमें व्यवस्थाविवरण की पुस्तक में वापस ले जाना चाहता हूं और हमें इस्राएलियों और कनानियों के बारे में कुछ दिखाना चाहता हूं। व्यवस्थाविवरण अध्याय छह की ओर मुड़ें, और आप में से कई लोग इस अध्याय को जानते हैं, विशेष रूप से उस प्रार्थना के लिए जो छंद चार से नौ में है। इसे कभी-कभी शेमा भी कहा जाता है, क्योंकि यहाँ हिब्रू शब्द है, आदेश, सुनो।

यहाँ, हे इस्राएल, तेरा परमेश्वर यहोवा एक ही परमेश्वर है, इत्यादि, छंद चार से नौ में। लेकिन मैं यहां श्लोक 10 और 11 पर ध्यान केंद्रित करना चाहता हूं, क्योंकि आगे देखते हुए, मूसा कह रहा है, व्यवस्थाविवरण अध्याय छह, श्लोक 10, जब तुम्हारा परमेश्वर तुम्हें उस देश में ले आएगा जिसके बारे में उस ने इब्राहीम, इसहाक, और तुम्हारे पूर्वजों से शपथ खाई थी। हे याकूब, मैं तुझे बड़े और अच्छे नगर देता हूं जो तू ने नहीं बनाए, अच्छे अच्छे मकानों से भरे हुए घर जो तू ने नहीं भरे, हौद तू ने नहीं खोदे, अंगूर के बगीचे और जैतून के पेड़ जो तू ने नहीं लगाए। और फिर यह चलता रहता है।

तो, इज़राइल एक ऐसे देश में आ रहा है जहाँ दूध और शहद की धाराएँ बहती हैं, जो इन सभी चीज़ों से भरपूर देश है। और अब यहां जोशुआ अध्याय पांच में, हम पहली बार देखते हैं कि वे इसमें भाग ले रहे हैं। और वे ऐसे देश में जा रहे हैं जहां उन्हें चीजें लेने के लिए श्रम नहीं करना पड़ेगा।

मैं उस उम्र का हूं जहां मुझे शीत युद्ध की कुछ ऊंचाइयां याद हैं। 1980 के दशक की शुरुआत में, यूरोप, सोवियत संघ, नाटो और मित्र राष्ट्रों में कम दूरी के परमाणु हथियारों का मुद्दा था। और गंभीर चर्चाओं में से एक न्यूट्रॉन बम नामक परमाणु बम का विकास था।

और न्यूट्रॉन बम जापान के नागासाकी और हिरोशिमा पर गिरे बम से अलग था. न्यूट्रॉन बम एक ऐसा बम था जो इमारतों को नष्ट नहीं करता था। इसने न्यूट्रॉन और विकिरण को नष्ट कर दिया, और इसने लोगों को मार डाला, लेकिन इसने शहरों को नष्ट नहीं किया।

और उस समय के सैन्य रणनीतिकारों के अनुसार, यूरोप जैसी भीड़-भाड़ वाली जगह में युद्ध के लिए वह एकदम सही, "परफेक्ट बम" था। मुझे इसकी याद यहां एक तरह से शायद अपूर्ण तरीके से आ रही है क्योंकि इज़राइल एक ऐसे देश में आ रहा था जहां वे इमारतों को समतल नहीं करने जा रहे थे। हम किताब में बाद में देखेंगे जब यह शहरों पर कब्जे को नष्ट करने की बात करती है।

इसमें उल्लेख नहीं है, जोशुआ में केवल तीन शहर हैं जो वास्तव में आग से जल गए हैं। यरीहो, ऐ, और हासोर, हासोर। उनमें से बाकी, इसका उल्लेख नहीं है।

और मुझे लगता है कि इसका कारण यहां व्यवस्थाविवरण में जो कहा गया है, वह यह है कि वे उस भूमि में स्थानांतरित होने जा रहे हैं जहां प्रणालियां बरकरार हैं, घर बरकरार हैं। इज़राइल आगे बढ़ रहा है। और इसलिए, एक अर्थ में, वे लोगों को नष्ट कर रहे हैं और विस्थापित कर रहे हैं, लेकिन इमारतें अभी भी अपनी जगह पर बनी हुई हैं।

और ये भी कुछ है. आइए, जब मैं यहां इसके बारे में सोच रहा हूं, तो मैं उस चीज़ का संदर्भ देने जा रहा हूं जिसका मैंने पहले अनुभाग में उल्लेख किया था जिसमें निर्गमन की तारीख और महान विनाश के इस स्तर के बारे में बात की गई थी जिसका मैंने उल्लेख किया था कि यह लगभग 1200 ईसा पूर्व हुआ था, शायद थोड़ी देर बाद। इसका श्रेय मूल रूप से जोशुआ को दिया गया।

विनाश का वह स्तर लगभग पूरे भूमध्य सागर में भी व्याप्त है। तो, यह नहीं हो सकता था, यह एशिया माइनर और तुर्की और ग्रीक द्वीपों और मिस्र तक था। और इसलिए यह सिर्फ जोशुआ के विनाश का सबूत नहीं था, पहला बिंदु।

दूसरा बिंदु, यदि हम व्यवस्थाविवरण मार्ग को गंभीरता से लेते हैं, तो हमें वास्तव में इज़राइल द्वारा कनान के विनाश के निशान देखने की उम्मीद नहीं करनी चाहिए क्योंकि, अधिकांश स्थानों पर, इसने शहरों को नष्ट नहीं किया। इसने बस लोगों को बाहर निकाल दिया। तो, विनाश की ये सभी अन्य जली हुई परतें वास्तव में इस्राएलियों के कारण नहीं हैं।

और, मेरे विचार में, यही कारण है कि हमारे पास पहले का समय होगा जब इज़राइल ने प्रवेश किया था, अर्थात् 1400 के आसपास। आप 1200 के आसपास जो अराजकता देखते हैं वह उस समय का हिस्सा होगी जिसे मैं न्यायाधीशों की अवधि के रूप में देखूंगा। और जजों का काल अपने आप में अराजकता का काल है।

और यह इस अन्य पुरातात्विक साक्ष्य के साथ बहुत अच्छी तरह से फिट बैठता है। तो यह जोशुआ की तारीख और निर्गमन की तारीख के बारे में पहले की चर्चा का एक फुटनोट मात्र है। यहोशू 5 पर वापस। तो, यह दूसरा अनुष्ठान तैयारी अब वर्षों में पहली बार फसह मनाने के लिए है, ऐसा प्रतीत होता है, आदेशों और निर्देशों की पूर्ति में, कि उन्हें हर साल ऐसा करना है।

तो, वे एक तरह से चीजें हासिल कर रहे हैं, जमीन पर उतरने से पहले ही सब कुछ ठीक कर दिया गया है। अब, अंततः, अध्याय 5 में, हमारे पास श्लोक 13 से 15 हैं जो एक नई चीज़ हैं। और यह कोई तीसरा नहीं है, पहली नज़र में, यह पहले दो की तरह किसी प्रकार का तीसरा अनुष्ठान नहीं है।

लेकिन यह जोशुआ जेरिको के पास खड़ा होकर देख रहा है। वह देखता है कि उसके सामने एक आदमी खड़ा है। उसके हाथ में तलवार है।

जोशुआ को आश्चर्य हुआ कि यह कौन है। लेकिन उनकी वास्तविक प्राथमिक रुचि उस प्रश्न पर केंद्रित है जो वह श्लोक 13 के अंत में पूछते हैं, जो कहता है, क्या आप हमारे लिए हैं या हमारे विरोधियों के लिए? तो, आप बता सकते हैं कि यह आदमी किसी प्रकार का सैन्य व्यक्ति है। उसके हाथ में तलवार है, लेकिन उसे इसमें कोई दिलचस्पी नहीं है कि यह कौन है।

वह जानना चाहता है कि आप हमारे साथ हैं या नहीं? और दूसरे शब्दों में, मेरे विचार से जोशुआ की रुचि अधिक अदूरदर्शी है। मैं देखना चाहता हूँ कि तुम मेरे लिए क्या अच्छा करोगे। और तब उस व्यक्ति की प्रतिक्रिया मूलतः पद 14 है, नहीं।

मैं प्रभु की सेना का सेनापति हूँ। अब मैं आ गया हूँ। अब, उन शब्दों में, प्रभु की सेना के कमांडर को तुरंत यहोशू को बताना चाहिए था कि वह उसके लिए था, कि यह कमांडर यहोशू और लोगों के लिए था।

लेकिन मनुष्य उससे आगे अपनी पहचान नहीं बनाता। और वह उससे यह नहीं कहता, मैं तुम्हारी तरफ या दूसरी तरफ होने जा रहा हूँ। वह बस इतना कहता है, नहीं, यह महत्वपूर्ण बात नहीं है।

जानने वाली महत्वपूर्ण बात मेरी पहचान है, न कि मेरा कार्य। यह नहीं कि मैं आपके लिए क्या करने जा रहा हूँ, बल्कि यह कि मैं कौन हूँ। और मैं प्रभु की सेना का सेनापति हूँ, और बाकी सब कुछ उसी से प्रवाहित होने वाला है।

आपको तब आत्मविश्वास रखना चाहिए यदि आप जानते हैं कि भगवान दुनिया और ब्रह्मांड के प्रभारी हैं, भगवान ने आपके साथ रहने का वादा किया है, और मैं उनका कमांडर हूँ, तो यदि आप मेरा अनुसरण करेंगे तो चीजें आपके लिए अच्छी होंगी। तो, श्लोक, उसके श्रेय के लिए, ठीक है, उसके श्रेय के लिए, तब यहोशू गिर जाता है और उसके चेहरे पर उसकी पूजा करता है और कहता है, तो मेरा प्रभु अपने सेवक से क्या कहता है? और मुझे आशा है कि आपके पास एक बाइबिल होगी जहां यह कहा गया है, मेरे भगवान, यदि आप ध्यान से देखें, तो भगवान शब्द बड़े अक्षरों में नहीं है। यह लोअरकेस एल है, और यह हिब्रू में भगवान शब्द की तुलना में एक अलग शब्द है, भगवान का जिक्र है।

यह एडोन शब्द है, जिसका सीधा सा अर्थ है, यह किसी श्रेष्ठ के प्रति सम्बोधन का एक रूप है, विनम्र सम्बोधन का एक रूप है। मेरे भगवान क्या कहते हैं? यह इंसानों के संदर्भ में इस्तेमाल

किया जाने वाला शब्द है, आमतौर पर एक इंसान और दूसरे इंसान के बीच। एडॉन का मतलब मालिक, खेत का मालिक या गुलाम भी हो सकता है।

तो, वह सिर्फ यह कह रहा है, दूसरे शब्दों में, यहोशू वास्तव में आश्चर्य नहीं है कि यह एक दिव्य व्यक्ति है। वह बस यही सोच रहा है कि यह कोई दूसरा इंसान है। लेकिन वह कहता है, वह अपने नौकर से क्या कहता है? और इसलिए, प्रभु की सेना के सेनापति ने पद 15 पर उत्तर दिया, अपनी जूतियाँ उतार दो क्योंकि जिस स्थान पर तुम खड़े हो वह पवित्र है।

और यह तुरंत स्पष्ट होना चाहिए कि यह हमें निर्गमन अध्याय तीन में जलती झाड़ी में भगवान के साथ मूसा की कहानी पर वापस ले जाता है। तो, इन पहले पाँच अध्यायों में निर्गमन और मूसा और लाल सागर में और मूसा और मिस्र के साथ परमेश्वर ने क्या किया और उस सब के बारे में काफी कुछ संदर्भ हैं। अब, कई टिप्पणीकार पुस्तक की अपनी रूपरेखा में कहेंगे कि अध्याय तीन, अध्याय पाँच, श्लोक 13 और 15 पुस्तक के अगले भाग का पहला, प्रारंभिक खंड हैं, अर्थात् जेरिको की लड़ाई और फिर निम्नलिखित लड़ाइयाँ।

और इसलिए, श्लोक 12 और 13 के बीच एक बड़ा अंतराल होगा। इसमें जेरिको, श्लोक 15 का उल्लेख है, इसलिए यह समझ में आता है। लेकिन मेरा विचार है कि नहीं, यहां यह प्रकरण अन्य अनुष्ठान तैयारियों से संबंधित है।

तो, हमारे पास खतना है, हमारे पास फसह है, और हमारे पास पवित्रता और पवित्र होने पर फिर से जोर है। याद रखें, भगवान ने अध्याय तीन में कहा था, अपने आप को पवित्र करो। तो, मुझे लगता है कि ये तीनों एक साथ बंधे हुए हैं।

दो प्रसंग ऐसे हैं जो समान प्रतीत होते हैं। अनुष्ठानिक चीजें हैं और फिर एक अलग, लेकिन वे सभी भगवान के सामने खुद को तैयार करने, पहले भगवान के राज्य की तलाश करने पर ध्यान केंद्रित करके एक साथ बंधे हैं, और फिर बाकी सब कुछ आपके साथ जुड़ जाएगा। तो इस तरह मैं तैयारियों का अंत देखता हूँ।

भगवान उनके साथ रहे हैं। भगवान ने कार्यभार दिया है, अध्याय एक, और हमें राहब से आश्वासन मिला है कि उन्हें सफलता मिलेगी। इस बीच, हमारे पास इस्राएल के ईश्वर में विश्वास करने वाले एक अन्यजाति की एक सुंदर तस्वीर है।

हमारे पास क्रॉसिंग का चमत्कार है, उसका स्मरणोत्सव है, और फिर वास्तव में पहले संघर्षों में शामिल होने से पहले अनुष्ठान की तैयारी है। तो यह इस पहले खंड के अंत में रुकेगा।

यह रूथ के माध्यम से जोशुआ पर अपनी शिक्षा में डॉ. डेविड हॉवर्ड हैं। यह सत्र 8 है, जोशुआ 5, भूमि का उत्तराधिकार प्राप्त करने की तैयारी।